गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Si न्यूज़

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक : 18 गोरखपुर रविवार 20 अक्टूबर 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य 02 रूपया

7 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश, चिल्लाने पर ईंट से सिर कुचलकर हत्या, आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में सात वर्षीय बच्ची से बलात्कार की कोशिश के बाद ईंट से कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। शुक्रवार को रात करीब साढ़े आठ बजे बच्ची का शव खंडहरनुमा मकान में पड़ा मिला, शव अर्धनग्न अवस्था में कपड़े से लिपटा हुआ था। इस मामले में जांच कर रही पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी और घायल हो गया। मुठभेड़ में एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हो गया। बता दें कि जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम सब्जी खरीदने बाजार गई बच्ची अचानक लापता हो गई। उसके परिजन उसकी तलाश करते रहे और रात में उसका शव अर्धनग्न अवस्था में एक खंडहर मकान में मिला। आरोपी को पकड़ने के लिए एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) टीम के अलावा पुलिस के कई दल गठित किए गए और आरोपी को पुलिस ने शनिवार सुबह चार बजे बीनपुर रोड पर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जाने आलम (22) के रूप में हुई है और मुठभेड़ के दौरान उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। इस मुठभेड़ में मनोज नाम का एक कांस्टेबल भी गोली लगने से घायल हो गया। मृतक बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए रात में ही एसओजी समेत कई पुलिस दलों को लगाया गया था। रात में ही आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान जाने आलम (22) के रूप में हुई और उसकी तलाश शुरू की गई। उन्होंने बताया कि आज सुबह करीब चार बजे पुलिस और आरोपी के बीच बीनपुर रोड पर मुठभेड़ हुई। आरोपी जाने आलम ने एक खंडहर हो चुके मकान में लड़की के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। वह शराब के नशे में बच्ची को बहला–फुसलाकर खंडहरनुमा मकान में ले गया था। जब लड़की चिल्लाने लगी, तो उसने पहले लड़की के सिर को दीवार पर कई बार मारा और फिर ईंट से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी के पास से एक अवैध देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। साथ ही उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है।

योगी की जीरो टॉलरेंस नीति का दिख रहा असर

लगातार सलाखों के पीछे भेजे जा रहे अपराधी

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों की कमर तोड़ रही है। यूपी पुलिस जहां एक तरफ सीधा मुकाबला करते हुए अबतक 210 बदमाशों को ढेर कर चुकी है, वहीं एक बहुत बड़ी संख्या ऐसे अपराधियों की भी है, जिन्हें न्यायालय में पुलिस की प्रभावी पैरवी से बेदम कर दिया गया है। यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय इसमें अहम रोल अदा कर रहा है। पिछली सरकारों में जहां अभियोजन निदेशालय हाशिये पर रहता था, वहीं योगी सरकार ने इसे खास तरजीह दी है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में अभियोजन निदेशालय की प्रभावी पैरवी से पिछले साढ़े सात वर्षों में 80 हजार से अधिक अपराधियों को उनके गुनाहों की सजा मिल चुकी है। अभियोजन निदेशालय के एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पिछले साढ़े सात साल में 81,196 से अधिक अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलायी गयी है। इनमें 29,196 अपराधियों में से 54 को मृत्युदंड, 3125 अपराधियों को आजीवन कारावास, 9,076 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 16,941 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। इसके अलावा पिछले 16 माह में ऑपरेशन कन्वेशन के तहत पुलिस और अभियोजन विभाग की ओर से अब तक 52,000 से अधिक अपराधियों को सजा दिलायी जा चुकी है। महिला संबंधी अपराधों में क्रमशरू महिलाओं के खिलाफ लैंगिक, बलात्कार, गंभीर अपराध, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य अपराध के मामलों में अगस्त–24 तक 28,700 अपराधियों को सजा दिलायी जा चुकी है। इनमें केवल महिलाओं के खिलाफ लैंगिक, बलात्कार, गंभीर अपराध समेत अन्य अपराध में 16,565 अपराधियों को सजा दिलायी गयी है। इन मामलों में 9 अपराधियों को मृत्युदंड, 1,720 को आजीवन कारावास, 4,443 को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 10,393 को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पॉक्सो एक्ट के तहत अगस्त–24 तक 12,135 अपराधियों को गुनाहों की सजा दिलायी गयी है। इनमें 44 अपराधियों को मृत्युदंड, 1,354 अपराधियों को आजीवन कारावास, 4,599 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 6,138 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। इसी तरह अगस्त–24 तक प्रदेश के दुर्दांत और टॉप 10 कैटेगरी के 496 अपराधियों को सजा दिलायी गयी है। इनमें एक अपराधी को मृत्युदंड, 51 अपराधियों को आजीवन कारावास, 34 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 410 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। वहीं प्रदेश के 69 चिह्नित माफिया अपराधियों एवं उनके गिरोह के खिलाफ 25 मार्च 2022 से 31 अगस्त–24 तक कुल 42 मामलों में 29 अपराधियों को सजा दिलायी गयी है। इनमें एक मामले में मृत्युदंड, 5 मामलों में आजीवन कारावास, 7 मामलों में 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 29 मामलों में 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी है।

मप्र भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को बनाया सक्रिय सदस्य

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान शुरू हो गया है। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को सक्रिय सदस्य बनाया। भाजपा के सदस्यता अभियान संगठन पर्व के बाद सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान के तहत शुक्रवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद पार्टी के सक्रिय सदस्य बने। सक्रिय सदस्य बनने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सक्रिय सदस्यता अभियान कार्यकर्ताओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की नई ऊर्जा प्रदान करेगा। सदस्यता अभियान की तरह मध्य प्रदेश सक्रिय सदस्यता अभियान में भी इतिहास बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सक्रिय सदस्यता पार्टी की आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करता है। मैं राज्य के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करता हूं कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ सतत आगे बढ़ने वाली भाजपा के सक्रिय सदस्य बनें। सक्रिय सदस्य बनकर कार्यकर्ता भाजपा को और अधिक सशक्त बनाने में अपना योगदान दें। मध्य प्रदेश सदस्यता अभियान की तरह सक्रिय सदस्यता अभियान में भी इतिहास बनाने का कार्य करेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शुक्रवार से मध्य प्रदेश में सक्रिय सदस्यता अभियान का विधिवत शुभारंभ हो गया है। मध्य प्रदेश ने संगठन पर्व के लक्ष्य से अधिक 1 करोड़, 53 लाख से अधिक सदस्य बनाए हैं। शनिवार को प्रदेश के सभी मंडलों में पार्टी कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या में सक्रिय सदस्य बनकर इतिहास बनाएंगे। शनिवार को मंडल स्तर तक अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्यता ग्रहण कराई जाएगी। मध्य प्रदेश भाजपा संगठन पर्व की तरह सक्रिय सदस्यता अभियान में भी इतिहास रचेगी। पार्टी के संविधान के अनुसार 50 प्राथमिक सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ता सक्रिय सदस्य बन सकते हैं।

करहल विधानसभा सीट से बसपा के प्रत्याशी बने अवनीश कुमार शाक्य

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश की करहल विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए बसपा ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। बसपा ने इस सीट से चुनाव लड़ने के लिए अवनीश कुमार शाक्य को उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है। भारतीय चुनाव आयोग ने उपचुनाव कराने के लिए तारीखों का ऐलान भी कर दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार, 9 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। जबकि, 23 नवंबर को उपचुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि बसपा प्रत्याशी भोगांव विधानसभा प्रभारी हैं। टिकट मिलने के बाद उन्होंने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। इस सीट पर समाजवादी पार्टी ने पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को मैदान में उतारा है। भाजपा ने अभी प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। अखिलेश ने साल 2024 के लोकसभा चुनाव में कन्नौज से चुनाव लड़ा था। अखिलेश इस सीट से जीतकर सांसद बने।

बम की धमकी के कारण फ्रैंकफर्ट की ओर मोड़ा गया विस्तारा का विमान

नयी दिल्ली। दिल्ली से लंदन जा रही विस्तारा की एक फ्लाइट को बम की धमकी के बाद फ्रैंकफर्ट की ओर मोड़ दिया गया। एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट को फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया है। एयरलाइन ने जानकारी देते हुए कहा कि अनिवार्य सुरक्षा जांच की जा रही थी। एक बार ये जांच पूरी हो जाने के बाद, फ्लाइट लंदन के लिए अपनी यात्रा जारी रखेगी। एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली से लंदन (डीईएल–एलएचआर) जाने वाली फ्लाइट यूके 17 को फ्रैंकफर्ट की ओर मोड़ दिया गया है और इसके 2110 बजे (स्थानीय समय) पर फ्रैंकफर्ट पहुंचने की उम्मीद है। कृपया आगे की अपडेट के लिए बने रहें। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि 18 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली से लंदन के लिए उड़ान भरने वाली विस्तारा की फ्लाइट यूके17 को सोशल मीडिया के जरिए सुरक्षा संबंधी धमकी मिली थी।

योगी, राजनाथ और मायावती की सुरक्षा में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (आभा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व सीएम मायावती की सुरक्षा में केंद्र सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने वीआईपी सुरक्षा से आतंकवाद निरोधी कमांडो बल एनएसजी को पूरी तरह हटाने का फैसला लिया है। उनकी जगह अब सीआरपीएफ के जवान कमान संभालेंगे। गृह मंत्रालय से जारी आदेश के मुताबिक विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की एक नई बटालियन को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा प्रकोष्ठ के साथ जोड़ने की स्वीकृति भी दे दी गई है। इस बटालियन को हाल में संसद सुरक्षा से हटाया गया था।

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 'ब्लैक कैट' कमांडो द्वारा संरक्षित 'जेड प्लस' श्रेणी के नौ वीआईपी लोगों में सीएम योगी आदित्यनाथ और पूर्व सीएम मायावती भी शामिल हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में भी बदलाव किया गया है। इन सभी लोगों को सीआरपीएफ का सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा। जानकारी के अनुसार गृह मंत्रालय के अधीन दो बलों के बीच जिम्मेदारियों का हस्तांतरण एक महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ जिसमें छह वीआईपी सुरक्षा बटालियन हैं, से इस काम के लिए एक और सातवीं बटालियन को शामिल करने को कहा गया है। नई बटालियन वह होगी जो कुछ महीने पहले तक संसद की सुरक्षा में लगी थी। अधिकारी ने बताया कि संसद में पिछले साल सुरक्षा में चूक का मामला सामने आने के बाद संसद की सुरक्षा सीआरपीएफ से सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। सूत्रों के अनुसार नया कार्यभार संभालने की प्रक्रिया के तहत आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम हाल में अपने मुख्यमंत्री की सुरक्षा को एनएसजी से बदलकर सीआरपीएफ को सौंपने के मद्देनजर दिल्ली में थी। सूत्रों के अनुसार, इन नौ वीआईपी में से दो को सीआरपीएफ द्वारा दिया जाने वाला उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) प्रोटोकॉल भी प्रदान किया जाएगा। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हैं। एएसएल में वीआईपी के आगामी दौरे वाले स्थान की पहले से जांच की जाती है। सीआरपीएफ देश में पांच वीआईपी के लिए इस तरह का प्रोटोकॉल अपनाता है, जिनमें गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और गांधी परिवार के तीन कांग्रेस नेता शामिल हैं। सूत्रों ने कहा था कि वीआईपी सुरक्षा कर्तव्यों से एनएसजी को हटाए जाने के बाद लगभग 450 'ब्लैक कैट' कमांडो को मुक्त किए जाने की उम्मीद है।

इजराइल के राजदूत ने किया बंजरिया में निरीक्षण, किसानों में किया बीज का वितरण

संवाददाता–बस्ती । इजराइल सरकार के राजदूत द्वारा इण्डो–इजरायल फल उत्कृष्टता केन्द्र, बन्जरिया का निरीक्षण किया गया। उन्होने पाली हाउस में आधुनिक तकनीक से विकसित सब्जी के पौधे तथा आम की विकसित की जा रही प्रजातियों का निरीक्षण किया। राजदूत एवं उनके पत्नी द्वारा आम की पूसा लालिमा पौध का परिसर में रोपण किया गया। इण्डो–इजराइल के सलाहकार ब्रम्हदेव द्वारा इण्डो–इजरायल फल उत्कृष्टता केन्द्र के कार्य–कलापों के बारे में जानकारी दिया गया।

संयुक्त कृषि निदेषक अविनाष चन्द्र तिवारी द्वारा काला नमक धान पूसा नरेन्द्र के0एन0–1 का न्यूक्लियस बीज सम्वर्द्धन से 50 हजार हेक्टेयर में आच्छादन बढ़ाने की जानकारी दी गयी। बृजेन्द्र बहादुर पाल, ग्राम–पचारी कला, विकास खण्ड–रूधौली, जनपद–बस्ती द्वारा काला नमक चावल की गुणवत्ता बताते हुए काला नमक चावल भेंट किया गया।

राजदूत द्वारा कृषक राम निहोर, षिवनाथ, सूरेष सिंह, राम पूरन चौधरी, राजाराम एवं अन्य कृषको को सरसो प्रजाति गिरिराज बीज मिनीकिट एवं फूलगोभी तथा टमाटर के बीज दिये गये। इजरायल सरकार के राजदूत द्वारा इण्डो–इजरायल के अच्छे कार्यो का निरीक्षण करने के उपरान्त अपने सम्बोधन प्रसन्नता व्यक्त की गयी तथा अपना उद्गार व्यक्त किया गया कि इण्डो– इजरायल प्रोजेक्ट का क्रियांवयन सफलतापूर्वक किया जा रहा है तथा कृषकों को अनुदान पर सब्जी आदि के पाली हाउस में उत्पादित उन्नतषील प्रजाति के पौधे दिये जा रहे है, जो उत्साहजनक है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बन्जरिया के सभाकक्ष में उप कृषि निदेषक अषोक कुमार गौतम ने पुष्पगुच्छ देकर राजदूत एवं उनकी पत्नी का स्वागत किया। निरीक्षण के समय संयुक्त निदेषक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रषिक्षण केन्द्र डा0 वीरेन्द्र सिंह, नोडल अधिकारी मिषन (एम0 आई0 डी0 एच0)/ उप निदेषक (उद्यान), पंकज शुक्ल, जिला उद्यान अधिकारी अरूण कुमार तिवारी एवं अन्य प्रगतिषील कृषक उपस्थित रहें।

श्री अन्न मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

संवाददाता–बस्ती। बीआरसी हरैया के सभागार में खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश श्री अन्न मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत कृषि विभाग द्वारा 50 शिक्षकों को बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कृषि विभाग के सेवानिवृत विषय वस्तु विशेषज्ञ रामचंद्र चौधरी ने शिक्षकों को बिना रासायनिक उर्वरक के मोटे अनाज का उत्पादन, स्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिगत मोटे अनाज के लाभ आदि के बारे में विस्तृत ढंग से समझाया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को सावा, कोदो, मडुआ, कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि विभिन्न प्रकार के मोटे अनाज के बारे में शिक्षकों को बताया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य परिषदीय विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों के माध्यम से उनके अभिभावकों तक श्री अन्न के उपयोग, उसके पोषक तत्वों, मिलेट्स के विभिन्न प्रकार आदि की जानकारी पहुंचाना है। प्रशिक्षण में श्री अन्न के बारे में गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, उदय प्रताप सिंह, उमेश सिंह, सुनील बौद्ध, रजनीश पाण्डेय, योगेश सिंह आदि ने बताया।

इस अवसर पर रवीश कुमार मिश्र, सर्वदेव सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, आनन्द सिंह डेविड, राकेश सिंह, आदित्य सिंह, अखिलेश सिंह, मनोज द्विवेदी, गोपाल दूबे, निरुपमा तिवारी, एकता सिंह, शिल्पी गुप्ता, रूपम श्रीवास्तव, मीरा चौधरी, जया सिंह, सौम्या द्विवेदी, प्रतिज्ञा, सरोज, बृजेंद्र पाण्डेय, अरुणेंद्र सिंह, सतीश यादव, सुधीर सिंह, अमर चंद, हरी सिंह, प्रदीप गुप्ता, वीरेंद्र कुमार, राम रक्षा, विवेक, अर्जुन, गुलाम अशरफ, प्रदीप गुप्ता, विश्वजीत, विजय, भागीरथी, रामभवन, दिनेश आदि उपस्थित रहे।

रसोईयों ने मांगों के समर्थन में सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। छात्र संख्या कम होने के बहाने प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर छात्रों व अध्यापकों को अन्यत्र समायोजित किए जाने का मिड डे मील रसोइया कर्मचारी यूनियन विरोध करती है। रसोइयों का भी समायोजन किया जाना उचित होगा। इसके साथ ही पाल्य,नवीनीकरण की व्यवस्था समाप्त किए जाने ,न्यूनतम 26000 रुपए प्रतिमाह वेतन नियमित तौर पर दिए जाने ,चंद्रावती केस में उच्च न्यायालय के निर्णय को लागू किए जाने सहित अन्य मांग को लेकर मिड डे मील रसोइया कर्मचारी यूनियन के मंडलीय कमेटी के आवाहन पर मंडल के बस्ती सहित तीनों जनपदों की तहसील पर धरना प्रदर्शन का क्रम जारी है। प्रदर्शन के क्रम में बस्ती जनपद के हर्रैया तहसील पर जिला कमेटी के उपाध्यक्ष राम निरख यादव के नेतृत्व में हर्रैया ब्लॉक परिसर से रसोइयों ने जुलूस निकाल कर उप जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी हर्रैया विनोद पांडेय को सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए संगठन के जिला मंत्री ध्रुव चंद ने कहा कि सरकार प्राथमिक शिक्षा की जवाबदेही से हाथ खींच रही है।प्राथमिक शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को निजी हाथों में सौंपने की नीति घातक होगी।बड़ी संख्या में बच्चे आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा नहीं पा सकेंगे।विद्यालयों को बंद करने के बजाय छात्र संख्या बढ़ाने के उपाय करने होंगे। यह भी जांच होनी चाहिए प्राथमिक विद्यालयों में छात्र संख्या घट क्यों रही है।इससे गरीब रसोइया भी प्रभावित हो रहे है। जिला उपाध्यक्ष राम निरख ने कहा कि मांग पत्र में प्रति माह नियमित भुगतान करने,12 माह का मानदेय दिए जाने ,बिना कारण बताओ नोटिस के रसोइयों को तत्काल कार्य मुक्त न किए जाने, अनावश्यक रूप से रसोइयों को विद्यालय में अन्य कार्य न लेने , व रोके न जाने की भी मांग शामिल है। प्रदर्शन को संत कबीर नगर के जग राम गौड़, फूल चंद्र, रीता सिंह, प्रभावती, पूनम, निर्मला, रोशनी, प्रभावती, काजल सुभावती, कल्याणी,ममता, श्यामवती, निर्मला,रेखा सीता देवी ने संबोधित किया।

ग्राम अदालत चकबन्दी में दिया जानकारी

संवाददाता–नगर बाजार (बस्ती)। नगर पंचायत नगर बाजार में एक दिवसीय ग्राम अदालत चकबन्दी का आयोजन एसओसी संजय कुमार वाजपेयी की अध्यक्षता में किया गया।

कास्तकारों की जमीन से संबंधित कृषकों की स्थली पर ही ग्राम के कृषकों को तत्काल न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से ग्राम के कृषकों को तत्काल न्याय प्रदान करने के उद्देश्य ग्राम न्यायालय (चकबंदी) का आयोजन हुआ।

विशेष ग्राम न्यायालय चकबंदी के अधिकारी (चकबंदी) एसओसी संजय कुमार वाजपेयी ने चाक– चौबंद अधिकारियों से संबंधित समस्याओ को मौके पर सुना और नोट भी किया और उनकी समस्या के बारे में बताया और गुणवत्तापरक सामुहिक चर्चा की बात कही। उन्होंने बताया कि अधिकाश मामले भूमि से संबंधित आए।

विशेष ग्राम अदालत मे अधिकारियों ने ग्रामीणों द्वारा उठाई गई चकबंदी से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से सुना। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि इन समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाएगा।

एसीओ नरेंद्र सिंह ने बताया कि कास्तकारों के जमीन से संबंधित समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्वक निदान किया जाएगा।

चौपाल में कृषकों के समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह, लेखपाल दिनेश कुमार यादव, ओम प्रकाश,सुरेंद्र सिंह के अलावा संजय,राजेश कुमार पाण्डेय, राम दुलारे गौड़, रमेश चौधरी, सतीश कुमार समेत तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

बहराइच हिंसाः रामगोपाल को न तलवार मारी गई, न उखाड़े गए नाखून, पुलिस ने किया अफवाहों का खंडन

संवाददाता–बहराइच। हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें चल रही हैं। यूपी पुलिस ने इन अफवाहों का खंडन किया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि रामगोपाल की मौत गोली लगने से हुई है। गोली लगने से पहले या बाद में उसके करंट के झटके नहीं दिए गए। न ही उसे तलवार से काटा गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि उसके पैरों के नाखून भी नहीं नोचे या उखाड़े गए। एक अपील जारी करते हुए पुलिस के द्वारा कहा गया है कि सोशल मीडिया में साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने के उद्देश्य से भ्रामक सूचना जैसे मृतक को करंट लगाना, तलवार से मारना एवं नाखून उखाड़ना आदि बातें फैलाई जा रही हैं जिसमें कोई सच्चाई नहीं है। पोस्टमॉर्टम में मृत्यु का कारण गोली लगने से होना पाया गया है। इस घटना में एक व्यक्ति के अतिरिक्त अन्य किसी की मृत्यु नहीं हुई है। अतः सभी से अनुरोध है कि साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाये रखने के लिए अफवाहों पर ध्यान न दें व भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करें।

विभागीय सूत्र ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक रामगोपाल मिश्रा के शरीर में 30 से 35 छर्रे धंसने की पुष्टि हुई हैं। वहीं छर्रे मृतक के चेहरे, गले और सीने में धंसे मिले हैं। जो साफ जाहिर कर रहे है कि उसे तीन से अधिक भरुआ कारतूस मारी गई है। मृतक के कंधों के नीचे भी मौत की पुष्टि के लिए गोली मारी गई है। सूत्र ने बताया कि गोली मारने से पहले मृतक की जमकर निर्मम पिटाई भी की गई है। जिससे मृतक के शरीर में कई चोट के निशान हैं और बाईं आंख के ऊपर धारदार और ठोस हथियार से वार के निशान है। वहीं, मौत का कारण हैमरेज मतलब अधिक रक्तस्राव निकला है। प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान रविवार और सोमवार को हुई हिंसा के बाद अब धीरे–धीरे जिले के हालात सामान्य होने लगे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस फोर्स अब भी तैनात है और एडीजी गोरखपुर जोन केएस प्रताप व कमिश्नर शशि भूषण लाल समेत आला अधिकारी कैंप कर रहे हैं। घटना के बाद अब तक 12 मुकदमा दर्ज किए गए हैं और 55 से अधिक लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बुधवार को चौथे दिन हिंसा प्रभावित रमपुरवा, भगवानपुर, हरदी, शिवपुर, खैरा बाजार में दुकानें खुली रहीं और स्थिति सामान्य रही। लोग बेखौफ बाजारों में निकले और रोजमर्रा के जरूरी सामान खरीदते दिखे। रविवार से लेकर सोमवार तक पूरे घटनाक्रम में पुलिस की भारी लापरवाही सामने आई थी। एसपी ने हरदी थाना प्रभारी सुरेश वर्मा व महसी चौकी प्रभारी को तत्काल निलंबित कर दिया था। इस दौरान विसर्जन में शामिल लोगों ने सीओ रुपेंद्र गौड़ पर भी लापरवाही समेत गंभीर आरोप लगाए थे। इसका संज्ञान लेकर शासन की ओर से सीओ को निलंबित कर दिया गया। रामपुर से आए रवि खोखर को महसी की जिम्मेदारी दी गई है।

विवाद का केंद्र रहे महराजगंज कस्बे में स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है। कस्बे की दुकानें बुधवार को भी बंद रहीं। पूरी बाजार में सिर्फ एक मेडिकल स्टोर खुला रहा और चंद लोग ही नजर आए। हर तरफ सिर्फ पुलिस, पुलिस के वाहन व पीएसी के जवान ही नजर आए। वहीं मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद के घर के बाहर परियोजना निदेशक अरुण सिंह व बलरामपुर के एएसपी समेत सैकड़ों की संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। कस्बे में अब भी 12 कंपनी पीएसी, दो सीआरपीएफ, आरएएफ व चार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की तैनाती की गई है। सीएम कार्यालय की भी नजर है। हिंसा के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। बुधवार तक जिले में दोनों समुदायों पर कुल 12 मुकदमें दर्ज हुए। वहीं, 50 से अधिक लोगों को पुलिस ने अब तक जेल भेजा। हरदी थाने में 10 मुकदमे दर्ज हुए हैं। हरदी थाना प्रभारी कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि पहला मुकदमा अब्दुल हमीद समेत छह नामजद व 10 अज्ञात पर लिखा गया था। इसके बाद हुए उपद्रव को लेकर अज्ञात भीड़ पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं। एडीजी गोरखपुर जोन केएस प्रताप, कमिश्नर शशिभूषण लाल, डीआईजी अमरेंद्र प्रसाद, डीएम मोनिका रानी की मौजूदगी में बुधवार को महसी तहसील सभागार में उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें स्थिति जल्द सामान्य करने पर चर्चा हुई। बैठक के बाद डीएम ने बताया कि 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अन्य का चिह्नांकन जारी है। आगजनी के दौरान हुए क्षति के आकलन में राजस्व टीम लगी हुई है। पीड़ितों को लंच पैकेट, खाद्य सामग्री मुहैया कराई जा रही है।

अयोध्या में तैयार हो रहा अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस रामायण विश्वविद्यालय, राम पर शोध कर सकेंगे छात्र

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में बन रहे रामायण विश्वविद्यालय में राम पर शोध होगा। महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय का अस्सी फीसदी काम पूरा हो गया है। छात्र बारहवीं के बाद प्रवेश ले सकेंगे। पीजी के बाद रामायण पर शोध कर सकेंगे। रामनगरी अयोध्या सनातन परपंरा की एक नई इबारत लिखने जा रहा है। नेशनल हाईवे 32 पर रामायण विश्वविद्यालय बनकर लगभग तैयार हो गया है। 500 करोड़ की लागत से बन रहे इस विश्वविद्यालय को महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट बना रहा है। नवंबर 2023 में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय का 80: काम पूरा हो गया है। 21 एकड़ में विकसित किया जा रहा यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक सुविधाएं छात्रों को मिलेंगी। अगले वर्ष अप्रैल तक यह पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा। अपने आप में इस अनोखे विश्वविद्यालय में विशेष रूप से छात्र रामायण पर रिसर्च कर सकेंगे। विश्वविद्यालय में कुल 12 चार मंजिला भवनों का निर्माण किया जा रहा है। ये भवन अत्याधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं से लैस होंगे। प्रोजेक्ट मैनेजर मुकेश सक्सेना ने बताया कि यह विश्वविद्यालय एक अद्वितीय शैक्षणिक संस्थान होगा, जो भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और उसे आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करने का कार्य करेगा। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भारतीय संस्कृति, विशेषकर रामायण की गहराइयों में उतरने का अवसर प्रदान करना है। यहां छात्र और शोधकर्ता रामायण के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन कर सकेंगे। रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक प्रणाली है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए लाभदायक होगी।

इस विश्वविद्यालय में विभिन्न अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट व शोध पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाएगी, जो छात्रों को बहुआयामी ज्ञान प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए अनुभवी शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके साथ ही, यह विश्वविद्यालय स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तर पर शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बनेगा। यह विश्वविद्यालय न केवल छात्रों के लिए ज्ञान का एक केंद्र बनेगा, बल्कि रामायण जैसे प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन के माध्यम से भारतीय संस्कृति को भी संरक्षित और प्रोत्साहित करेगा।

अध्यापकों के तबादले के विरोध में दृष्टिबाधित बच्चों ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। राजकीय स्पर्श इंटर कॉलेज के तीन अध्यापकों के तबादले से बिफरे छात्रों ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को लेकर पहुंचे छात्रों का कहना है कि तीन अच्छे अध्यापकों का तबादला हो जाने की वजह से विद्यालय में पठन पठान प्रभावित होगा। गुरुवार की सुबह डीएम कार्यालय पर पहुंचे विद्यार्थियों ने जमकर नारेबाजी की और प्रशासनिक अधिकारियों से अपनी मांग अविलंब पूरी करने को कहा। इस दौरान अधिकारी आश्वासन देते रहे। लेकिन बच्चे उचित कार्रवाई के बाद ही डीएम कार्यालय से हटाने की जिद पर अड़े रहे। विद्यार्थियों का कहना है कि उनके विद्यालय में व्यवस्था काफी खराब है। इससे असुविधा होती है। उन समस्याओं को भी दूर किया जाए। डीएम ऑफिस के सामने धरने पर बैठकर छात्र नारेबाजी कर रहे हैं। राजकीय स्पर्श इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य लक्ष्मी शंकर जायसवाल सहित अन्य अध्यापक और अधिकारीगण उनको समझाने बुझाने में लगे हुए थे।

जिला अस्पताल में अच्छे व्यवहार का दिया जा रहा है प्रशिक्षण

संवाददाता–अयोध्या। सरकारी अस्पतालों में मरीज व तीमारदारों से यहां के मेडिकल स्टाफ व कर्मचारियों के द्वारा खराब व्यवहार किए जाने की शिकायतें मिलती रहती है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने अपने कर्मचारी व मेडिकल स्टाफ को मरीज व तीमारदार के प्रति किए जाने वाले व्यवहार को लेकर प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है। जिसमें जिला अस्पताल में पहले चरण में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों को ट्रेनिंग दी गई। कई बार अस्पताल में मौजूद स्टाफ व तीमारदार के बीच में विवाद व मारपीट के मामले सामने आते रहते है। जिसमें मामला बिगड़ जाने पर पुलिस को दखल भी देना पड़ता है। विवादों से अस्पताल की छवि पर भी असर पड़ता है। जिला अस्पताल में बीते दिन मेडिकल स्टाफ व तीमारदार के बीच विवाद के कई मामले सामने आए। वहीं अस्पताल के सुरक्षागार्डों व सफाईकर्मियों के साथ तीमारदारों की नोकझोंक अक्सर होती रहती है। जिसको लेकर जिला अस्पताल में मेडिकल स्टाफ व कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है।

गुरुवार को अस्पताल के रेडक्रास सोसाईटी भवन में प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। जिसमें जिला अस्पताल प्रबन्धक राजेन्द्र तिवारी ने प्रोजेक्टर पर सुरक्षागार्डो को उनकी दायित्व व व्यवहार के विषय में विस्तार से बताया। इस सम्बंधित बुकलेट भी सुरक्षागार्डो को दी गई। मैनेजर राजेन्द्र तिवारी ने बताया कि छह राउन्ड में मरीज व तीमारदारों को ट्रेनिंग दी जानी है। जिसमें पहले चरण में सुरक्षाकर्मियों को ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद वार्ड आया, वार्ड व्याय, सफाई कर्मी, फार्मासिस्ट व सबसे अंत में स्टाफ नर्स को अच्छे व्यवहार के प्रति प्रशिक्षित किया जाएगा। जिला अस्पताल के अधीक्षक डा. विपिन वर्मा ने बताया कि मैनेजर राजेन्द्र तिवारी को लखनऊ में मरीज व तीमारदार के साथ किए जाने वाले व्यवहार की ट्रेनिंग मिल चुकी है।

दीपावली और सहालग का समय करीब आने के साथ फर्नीचर कारोबार में आई तेजी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में दीपावली और सहालग का समय करीब आने के साथ ही फर्नीचर के कारोबार में भी तेजी आ गई है। इस बार बाजार में रौनक अधिक है। लोग पहले से ही बड़े शोरूम में पहुंचकर अपने जरूरत के फर्नीचर को देखकर पसंद कर रहे हैं। कैटलॉक से भी बुकिंग कराई जा रही है। दुकानदारों ने पूरी तैयारी की है तो लोग बुकिंग भी खूब करा रहे हैं। शहर के बड़े शोरूम से लेकर छोटे कारोबारी तक हर किसी ने पूरी तैयारी की है। फर्नीचर कारोबार सबसे अधिक सहालग के सीजन में चलता है। इसके अलावा त्योहारों पर भी लोग खरीदारी करते हैं। जिला मुख्यालय पर फर्नीचर के करीब 12 बड़े शोरूम हैं। इसके अलावा मुख्यालय और ग्रामीण क्षेत्र को मिलाकर करीब दो सौ से अधिक छोटी, बड़ी फर्नीचर की दुकाने हैं। सभी जगह पर खूब स्टॉक हैं। इसके अलावा कैटलॉक रखा हुआ है, जिसे देखकर लोग पसंद कर रहे हैं और ऑर्डर दे रहे हैं। ऑर्डर के अनुसार कारोबारी फर्नीचर तैयार कराने में जुटे हुए हैं। आलमारी के साथ ही डायनिंग टेबल, बेड, सोफा आदि की बुकिंग अधिक हो रही है। कारोबारियों की माने तो दीपावली और सहालग के समय में जिले में 10 करोड़ का कारोबार होने का अनुमान है। बाजार में रौनक को देखते हुए कारोबारियों ने पूरी तैयारी की है। जनपद में स्थानीय स्तर पर बने फर्नीचर के साथ ही ब्रांडेड फर्नीचर के भी शोरूम हैं। इसमें गोदरेज सहित कई प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। कंपनियों के द्वारा फर्नीचर की गारंटी के साथ ही तरह–तरह के ऑफर भी दिए जा रहे हैं। दीपावली को लेकर ऑफरों की भरमार है। तमाम लोग अपनी पंसद का फर्नीचर बनवाने के लिए पहले से ही ऑर्डर कर दिए हैं। फर्नीचर कारोबारी प्रवीन कुमार चौधरी ने बताया कि दीपावली और सहालग की हम सभी ने खूब तैयारी की है। पहले से ही फर्नीचर को तैयार कराना शुरू कर दिया है। इसके अलावा लोग पहले से ही बुकिंग भी करा रहे हैं।

सम्पादकीय

लोकतंत्र के नये सन्दर्भ

आखिरकार तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू–कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। बुधवार को उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनकी सार्थक पहल यह रही कि उन्होंने जम्मू–कश्मीर की राजनीति के दो ध्रुव बने कश्मीर घाटी व जम्मू क्षेत्र के जनमानस को साथ लेकर चलने का संकल्प दोहराया है। इस कड़ी में उमर अब्दुल्ला ने सुरिंदर चौधरी को राज्य का उप मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। उमर ने कहा भी कि 'चौधरी को मैंने इसलिए उप मुख्यमंत्री बनाया, ताकि जम्मू के लोगों को महसूस हो सके कि उनकी भी राज्य की सत्ता में घाटी जितनी भागीदारी है। आगे भी ऐसे ही प्रयास होते रहेंगे।' निस्संदेह, यह सकारात्मक राजनीति का उज्ज्वल पक्ष है, सबको साथ लेकर आगे बढ़ने का। उल्लेखनीय है कि सुरिंदर चौधरी जम्मू से चुनकर आए हैं। नौशेरा से विधायक बने सुरिंदर चौधरी ने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रांत अध्यक्ष रवींद्र रैना को हराया था। बहरहाल, भले ही अब अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू–कश्मीर विधानसभा का स्वरूप पहले जैसा नहीं रह गया, लेकिन इसके बावजूद जम्मू–कश्मीर के लोगों ने स्पष्ट जनादेश देकर एक स्थिर सरकार की बुनियाद जरूर रखी है। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह नजर आया। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। यह दायित्व सरकार को इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं।

बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर के मारे मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून चाहते हैं। जम्मू–कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ–साथ कदमताल कर सके। बहरहाल, जम्मू–कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी क्योंकि राज्यपाल के पास व्यापक शक्तियां हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि नये मुख्यमंत्री को कानून व्यवस्था से लेकर अन्य प्रशासनिक मामलों में एलजी के आगे लाचार नहीं होना पड़ेगा। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति–नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा।

एग्जिट पोल की गुणवत्ता पर उठती उंगलियां

–प्रमोद भार्गव–

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल अनुमानों के विपरीत निकले। इधर, हाल ही में जम्मू–कश्मीर और हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव के अनुमान भी उल्टे पड़े। जो हरियाणा में कांग्रेस की भारी बहुमत से जीत दिखा रहे थे, लेकिन भाजपा ने 49 सीटें जीत बहुमत हासिल कर लिया। विपक्ष ने एग्जिट पोल के आधार पर ईवीएम के जरिये सवाल खड़े कर दिए। ऐसे में अकसर आरोप लगते हैं कि विपक्ष वहां तो हल्ला करता है, जहां उसकी हार हो, लेकिन वहां शांत रहता है, जहां से उसे जीत मिलती है।

निर्वाचन आयोग ने 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र और 81 विधानसभा सीटों वाले झारखंड में चुनाव की घोषणा की है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा, जबकि झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। साथ ही, 15 राज्यों की 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे, जिनके नतीजे उसी दिन आएंगे। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस ने प्रियंका वाड्रा को उम्मीदवार घोषित किया है, यह सीट राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इसी क्रम में उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया से एग्जिट पोल पर जिम्मेदारी से काम करने का आह्वान किया और ईवीएम को मतदान के लिए सुरक्षित बताया है।

दरअसल, जम्मू–कश्मीर और हरियाणा के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही ईवीएम पर सवाल उठने लगे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 'एग्जिट पोल' का कोई अर्थ नहीं है। हाल के चुनावों में जो रुझान टीवी चौनलों में दिए गए वे आधारहीन थे। जब आयोग की वेबसाइट पर साढ़े 9 बजे पहला रुझान दिया जाता है तो फिर टीवी चौनल मतगणना शुरू होने के 10–15 मिनट में कैसे रुझान शुरू कर सकते हैं? असल में, चौनल रुझान दिखाकर सिर्फ अपना एग्जिट पोल सही ठहराने का प्रयास करते हैं।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल अनुमानों के विपरीत निकले। इधर, हाल ही में जम्मू–कश्मीर और हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव के अनुमान भी उल्टे पड़े। जो हरियाणा में कांग्रेस की भारी बहुमत से जीत दिखा रहे थे, लेकिन भाजपा ने 49 सीटें जीत बहुमत हासिल कर लिया। विपक्ष ने एग्जिट पोल के आधार पर ईवीएम के जरिये सवाल खड़े कर दिए। ऐसे में अकसर आरोप लगते हैं कि विपक्ष वहां तो हल्ला करता है, जहां उसकी हार हो, लेकिन वहां शांत रहता है, जहां से उसे जीत मिलती है।

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने सात चरणों में अपने मत दिए। हालांकि, 2019 की तुलना में मतदान कम रहा। चुनावी विश्लेषक कम मतदान को सत्तारूढ़ दल के विरोध में मतदाता की भावना के रूप में देखते हैं, और यही आधार एग्जिट पोल के अनुमानों का भी होता है। मतदान के बाद एग्जिट पोल सर्वेक्षणों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मोदी–शाह की जोड़ी रणनीतिक सफलता हासिल करने जा रही है। एग्जिट पोल अनुमानों में व्यक्त किया गया कि मोदी की आक्रामक शैली ने समुदाय विशेष के मतदाताओं को पूरे देश में ध्रुवीकृत करने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनाव के दौरान एक अन्य समुदाय विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे। मसलन, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछड़े वर्ग के आरक्षण में मुसलमानों को शामिल करने का कदम। मोदी ने इस मुद्दे को उठाकर न केवल इन राज्यों में, बल्कि पूरे देश में पिछड़े और अतिपिछड़े वर्ग के मतदाताओं को उनके हकों के प्रति जागरूक किया। नतीजतन, इस वर्ग के मतदाताओं ने राजग को भरपूर वोट दिए। कहा गया कि पीएम मोदी ने इस मुद्दे का लाभ बंगाल में भी उठाया। इसी का परिणाम है कि 2019 में मिलीं 18 सीटों की तुलना में भाजपा को यहां 21 से 28 सीटें मिलने तक का अनुमान बताया था। राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और तीन तलाक जैसे मुद्दों ने सभी वर्ग के मतदाताओं को लुभाया है।

एग्जिट पोल अनुमानों में कहा गया कि लाडली बहना, मुफ्त राशन, मुफ्त आवास, आयुष्मान योजना जैसी योजनाओं से मिले लाभ के चलते ग्रामीण मतदाता राजग के पक्ष में दिखाई दिया है। स्त्री मतदाता मोदी को चुनने में आगे दिखाई दे रही हैं। परंतु परिणाम आने के बाद मीडिया की ये मुनादियां गलत साबित हुईं। वर्ष 2019 की तुलना में वोटिंग कम रहने के बावजूद औसत मतदान 62 प्रतिशत से ऊपर रहा था। ये सर्वे यदि 4 जून को आने वाले वास्तविक नतीजों पर खरे उतरते तो राजग गठबंधन स्पष्ट बहुमत में आ जाता। यही नहीं, ऐसा होता तो लोकसभा में बहुमत के लिए राजग को सहयोगियों की जरूरत नहीं पड़ती। ये अनुमान जता रहे थे कि दलित, वंचित और वनवासी मतदाताओं का जातिगत मतदान से मोहभंग हो रहा है और वे क्षेत्रीय संकीर्णता से मुक्त हो रहे हैं।

एग्जिट पोल के चुनावी विशेषज्ञ बता रहे थे कि धर्मनिरपेक्षता के पैरोकारों पर सनातन–सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हावी रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल के प्रमुखों की ओर से रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकराने का असर भी मतदाता पर पड़ा है। लगता है, अब छद्म धर्मनिरपेक्षता का आवरण टूट रहा है। केवल बंगाल में ममता बनर्जी मुस्लिम मतदाताओं के तुष्टिकरण के लिए इसका सहारा ले रही हैं। गौरतलब है कि इस बार भाजपा ने बंगाल को केंद्रित करके हमलावर रणनीति अपनाई है। नतीजतन, कभी वामपंथी रहे लोग अब भाजपा में शामिल होकर उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। यह भी कि ऐसे लोगों ने जहां भाजपा को मजबूती दी है, वहीं कम्युनिस्टों के इस गढ़ को बिल्कुल कमजोर करने का काम भी किया है।

एग्जिट पोल के जानकारों का कहना था– एक बार फिर यह मिथक बनता दिखाई दे रहा है कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन से ही प्रधानमंत्री का पद सृजित होगा। इसी मिथक को पुनर्स्थापित करने के लिए मोदी बनारस से चुनाव लड़े हैं। मोदी की यहां आमद ने पूरे पूर्वांचल को भगवा रंग में रंग दिया है। नतीजतन, भाजपा यहां सर्वेक्षणों के अनुसार अच्छी स्थिति में है। यह भी कहा कि स्पष्ट लग रहा है, जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। किंतु परिणाम के बाद देखा कि उ.प्र. और बंगाल में मतदाता ने भाजपा को बड़ा झटका दिया और एग्जिट पोल के अनुमान धराशायी हुए। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त का बयान कि एग्जिट पोल व्यर्थ की कवायद है, एक हद तक सही कहा जा सकता है।

पुलिस एनकाउंटर पर बहन ने उठाए सवाल

संवाददाता–बहराइच। पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। गोली लगने से दोनों आरोपी घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। गुरुवार को बहराइच पुलिस ने बहराइच हिंसा के आरोपियों का एनकाउंटर किया। जिसमें दो आरोपियों को गोली लगी है। गोली लगने से सरफराज और फहीम घायल हो गए हैं। उनके पैरों में गोली लगी है। घायलों को नानपारा सीएचसी में भर्ती कराया गया है। उधर, एनकाउंटर पर बहन ने सवाल उठाए हैं। उधर, मेडिकल कालेज की सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस और पीएसी तैनात है। लोगों की भीड़ को हटा दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ नानपारा कोतवाली के बाईपास पर हुई। एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि मुठभेड़ के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आपको बता दें कि बहराइच में हुई हिंसा में रामगोपाल मिश्रा नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के आरोप में अब्दुल हमीद और उसके दोनों बेटे सरफराज उर्फ रिंकू उर्फ सलमान, फहीम के अलावा राजा उर्फ साहिर, ननकऊ, मारुफ व अन्य चार अज्ञात पर केस दर्ज किया गया था। वहीं, बहराइच में जिस मकान मालिक अब्दुल हमीद पर राम गोपाल मिश्रा पर गोली चलाने का आरोप है उसकी बेटी रुखसार का कहना है कि बुधवार को चार बजे मेरे पिता अब्दुल हमीद, मेरे दो भाई सरफराज, फहीम और उनके साथ एक अन्य युवक को यूपी एसटीएफ ने उठा लिया था। मेरे पति और मेरे देवर को पहले उठाया जा चुका है किसी भी थाने से उनकी कोई खबर नहीं मिल पा रही है। हमें डर है कि उनका एनकाउंटर कर हत्या की जा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने परिजनों की सुरक्षा की अपील की है। बहराइच की महसी तहसील के महराजगंज कस्बे में रविवार शाम को गाने को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया तो दूसरे समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24) को घर के अंदर घसीट ले गए और गोली मार दी। घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया था। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच–सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच–लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया।

लेखपाल बन कर वसूली कर रहे व्यक्ति को खदेड़ा

संवाददाता–देवरिया। लेखपाल बन कर वसूली कर रहे एक व्यक्ति को शक होने पर लोगों ने दौड़ा लिया। वह जाति प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर एक व्यक्ति से पांच हजार रुपए मांग रहा था। लोगों ने इसकी जानकारी राजस्व निरीक्षक को दी। लार थाना के पटनेजी गांव के धनंजय गोंड विदेश रहते हैं। वे इस समय गांव आए हुए हैं। उन्हें अपनी बेटी का गोंड जाति का प्रमाण पत्र बनवाना है। गांव के लेखपाल राम भवन को तलाश करते वे थाना गेट के सामने आ गए। लेखपाल तो वहां नहीं मिले लेकिन कोई प्राइवेट आदमी मिला जो अपने को लेखपाल बताकर उनकी समस्या पूछा। जब धनंजय गोंड ने अपनी बेटी का अनुसूचित जन जाति का प्रमाण पत्र बनवाने की बात कही तो वह व्यक्ति पांच हजार रुपया मांगने लगा। बगल के दुकान में बैठे छात्र नेता साहू ध्रुव कुमार गुप्ता ने यह बात सुना तो उन्होंने कहा कि कचहरी से न्यूनतम तीस रुपए में जाति प्रमाण पत्र बन जाता है।

आप कैसे लेखपाल हैं कि पांच हजार मांग रहे हैं। इतना सुनने के बाद कई लोगों की भीड़ जुट गई। बाद में पता चला की पैसा मांगने वाला कोई प्राइवेट आदमी था, लेखपाल नहीं था। यह जानते ही लोगों ने उसे खदेड़ दिया। इस संबंध में राजस्व निरीक्षक चंद्रप्रकाश लाल श्रीवास्तव ने कहा कि कोई लेखपाल किसी से पैसा नहीं मांग रहा था। हमने संबंधित व्यक्ति से बात कर सभी आवश्यक दस्तावेज के साथ ऑनलाइन कराने को बोल दिया है।

सड़क पर अतिक्रमण न करें व्यापारी

संवाददाता–गोण्डा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के बैठक रामेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में अवध प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह उर्फ हरी सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। महामंत्री राम कुमार कसौधन ने कहा कि दीपावली में दुकानदार सही मिठाई बेचे, मिलावटी सामान की बिक्री न करें। साथ ही सड़क पर अतिक्रमण न करें। हरी सिंह ने कहा कि व्यापारी का कार्य है सही ढंग से व्यापार करना।

इससे जनता के बीच व्यापारी की निष्ठा बढ़ती है और उसका व्यापार दिन दूना रात चौगुना बढ़ता है। उन्होंने कहा कि कहा गलत तरीके से व्यापार करने वालों के साथ संगठन खड़ा नहीं होगा। व्यापारी अपनी दुकान पर अपना नाम–पता डिस्प्ले करें। साथ ही सड़क पर अतिक्रमण न करें। कस्बा निवासी व्यापारी अजय ने कहा कि परिवार रजिस्टर के लिए ब्लॉक के ग्राम पंचायत अधिकारी से मिलने के लिए दो दिन से जा रहे है लेकिन कोई नहीं मिल रहा है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया।

पवन कुमार कौशल ने दीपावली तक टैक्सी या अन्य वाहन बाहर खड़े कराने की मांग की। चौकी प्रभारी अजय कुमार तिवारी ने कहा कि व्यापारी स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे जिससे कस्बा की सुंदरता बढ़ जाएगी। बैठक में लक्ष्मण प्रसाद की असामयिक मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई । बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष बेलसर निखिल सिंह, महामंत्री राम कुमार कसौधन, राज बहादुर मिश्र, दिनेश कुमार, राधेश्याम मोदनवाल, पवन कुमार कौशल, राजेश गुप्ता, महेश ,अजय गुप्ता, दीपक गुप्ता सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

भाजपा के हार के डर से टला मिल्कीपुर उपचुनाव –स्वामी प्रसाद मौर्य

संवाददाता–देवरिया। पूर्व मंत्री व राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि भाजपा की हार के डर से मिल्कीपुर का उपचुनाव टाल दिया गया। भाजपा को अभी भी अयोध्या की हार का डर सता रहा है। उक्त बातें उन्होंने गुरुवार को देवरिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। स्वामी प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग सरकार की सुख सुविधा को ध्यान में रखते हुए अधिसूचना जारी कर रहा है। उत्तर प्रदेश में होने वाले 10 विधानसभा सीट के उपचुनाव में मिल्कीपुर विधानसभा छोड़कर शेष 9 विधानसभा क्षेत्र की अधिसूचना जारी की गई। यह साबित करता है कि कहीं ना कहीं अभी भी अयोध्या लोकसभा चुनाव की हार का डर भाजपा को सता रहा है। पूर्व मंत्री ने सवाल उठाया कि वन नेशन वन इलेक्शन कैसे संभव होगा जब निर्वाचन आयोग चार प्रदेशों का चुनाव एक साथ नहीं करा पा रहा है। दो प्रदेशों का चुनाव पहले कराया गया दो का बाद में हो रहा है। अब उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों का उपचुनाव एक साथ आयोग नहीं करा पा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार को यह तय करना है कि वन नेशन और वन इलेक्शन का दिया हुआ उनका नारा आज ही से गलत साबित हो रहा है तो यह आगे कैसे चलेगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने बहराइच की घटना के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सरकार किसी एक वर्ग की नहीं सबकी होती है। इसलिए सबके सम्मान स्वाभिमान को देखते हुए सभीकी सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए। आरोप लगाया कि इस दंगे के लिए सरकार, आरएसएस और उनके अन्य सहयोगी संगठन जिम्मेदार हैं। वे जानबूझ कर जगह–जगह हर जनपदों में बारी–बारी से हिंदू–मुस्लिम हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

एनएसएस के लिए शुरू हुआ पंजीकरण, छात्र–छात्राओं में दिखा उत्साह

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए गुरुवार को पंजीकरण शुरू हो गया। पहले ही दिन इसे लेकर छात्र–छात्राओं में उत्साह रहा। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पहले दिन 253 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। डीडीयू में एनएसएस के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय कैंपस में रासेयो के कुल 13 यूनिट हैं। प्रति यूनिट में सौ छात्र–छात्राएं होते हैं। यह दो वर्ष का प्रशिक्षण होता है। इसलिए पिछले वर्ष के 650 विद्यार्थी पहले से ही हैं। शेष 650 सीटों के लिए पंजीकरण शुरू हुआ है। जिस दिन 650 बच्चे हो जाएंगे, उसी दिन पंजीकरण बंद हो जाएगा। डीडीयू में गुरुवार को गूगल फॉर्म के माध्यम से एनएसएस में पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई। डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि रासेयो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का कार्य करता है। यह ऐसा माध्यम है, जहां से विद्यार्थियों को अपने अंदर की प्रतिभा को निखारने का निरंतर अवसर प्राप्त होता रहता है। रासेयो के माध्यम से विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर लगने वाले सामान्य व विशेष शिविरों के साथ ही साथ राष्ट्रीय स्तर पर लगने वाले राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (एनआईसी), साहसिक कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस परेड शिविर, राष्ट्रीय युवा सप्ताह शिविर, स्वतंत्रता दिवस शिविर आदि में प्रतिभाग करने का अवसर मिलता है।

जल जीवन मिशन योजना के तहत महिलाओं को किया प्रशिक्षित

संवाददाता–बलरामपुर। विकास खण्ड मीटिंग हाल में पंचायती राज विभाग से संचालित जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया।

बीडीओ रजनीश कुमार शुक्ला व एडीओ पंचायत इरफान उल्ला खां ने प्रतिभागियों को किट देकर कार्य करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। एडीओ पंचायत इरफान उल्ला खां ने बताया कि शासन के मंशानुरूप विकास खण्ड के सभी 81 ग्राम पंचायतों में जलापूर्ति करने, निर्मित संसाधनों के रख रखाव, संचालन, टैक ओवर, हैण्ड ओवर व संसाधनों की जरूरत उसकी गुणवत्ता आदि की जानकारी देते हुए प्रशिक्षण दिया गया।

बाजार में करवा चौथ की तैयारी से बढ़ने लगी है रौनक

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में बाजार में करवा चौथ की तैयारी को लेकर खरीदारी होने से रौनक बढ़ने लगी है। पर्व को मनाने के लिए सप्ताह भर पहले से ही महिलाएं बाजार में खरीदारी शुरू कर दी हैं। पति भी पर्व पर अपनी पत्नी को गिफ्ट देने के लिए तरह–तरह के उपहारों की खरीदारी कर रहे हैं। अपने सुहाग की दीर्घायु व कुशलता के लिए रखे जाने वाले व्रतों में करवा चौथ व्रत बेहद निष्ठापूर्ण व श्रद्धा भाव से उपवास रखने का त्यौहार है। सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत करती हैं। यह पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस पर्व को पतिव्रता सती सावित्री के पति सत्यवान की कथा से जोड़ा जाता है। पत्नी के हठ के आगे यमराज ने सत्यवान के प्राण लौटा दिए। इस त्योहार पर भगवान शिव परिवार की उपासना की जाती है। इस पर्व पर चंद्रदेव को अर्घ्य देने तक निर्जला व्रत महिलाएं रहती हैं। चलनी में पति को देखने के बाद ही व्रत का समापन होता है। पर्व पर महिलाएं 16 श्रृंगार कर सज कर तैयार होती हैं। यही कारण है कि महिलाएं सुहाग से जुड़ी समाग्रियों की तैयारी महिलाएं तेजी से कर रही हैं। करवा चौथ पर्व की एक सप्ताह पहले से ही तैयारी शुरू हो गई है। इसी के साथ बाजार में रौनक बढ़ने लगी है। शहर के लगभग सभी कपड़े की दुकानों पर पर महिलाओं की भीड़ दिख रही है। कपड़े खरीदने के साथ उसे सिलवाकर समय से लेने के लिए भाग दौड़ की जा रही है। इसके अलावा पूजन सामग्री के लिए एक एक सामान जुटाए जा रहे हैं। महिलाएं करवा और चलनी के साथ साथ अन्य सामान खरीद रही हैं। सुगाह के सामग्रियों की खरीदारी के लिए श्रृंगार प्रसाधन के सामानों की खरीद कर रही हैं। नए चावल के आंटे के लिए किसानों से संपर्क किया जा रहा है। जिन किसानों की धान की फसल तैयार हो गई है। उनसे चावल की खरीद करने के प्रयास हो रहे हैं। करवा चौथ पर सोलह श्रृंगार के लिए एक दिन पहले ही मेहंदी लगवाने की भागदौड़ मची रहती है। इससे बचने के लिए कुछ तो घरों पर खुद मेंहदी लगाती हैं। वहीं कुछ महिलाएं ब्यूटीपार्लर में संपर्क कर रही हैं। अपनी सुविधा के अनुसार टाइम स्लाट की बुकिंग करा रही हैं।

महर्षि वाल्मीकि को जयन्ती पर समाजवादियों ने किया नमन्

संवाददाता–बस्ती । गुरूवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि जयन्ती मनायी गई। सपा नेताओं कार्यकर्ताओं ने रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना करने वाले महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् किया। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का प्राचीन वैदिक काल के महान ऋषियों में प्रमुख स्थान हैं। इन्होंने संस्कृत मे महान ग्रंथ रामायण महान ग्रंथ की रचना कि थी ,इनके द्वारा रचित रामायण वाल्मीकि रामायण कहलाती है। हिंदु धर्म की महान कृति रामायण महाकाव्य श्रीराम के जीवन और उनसे संबंधित घटनाओं पर आधारित है। उनकी कृतियां युगों से भारतीय मनीषा को श्रीराम चरित से परिचित कराती है। पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे', अरविन्द सोनकर, आदि ने कहा कि भगवान वाल्मीकि जी के अनुसार संसार का मूल आधार ज्ञान ही है अर्थात शिक्षा के बिना मानव जीवन व्यर्थ और अर्थहीन है क्योंकि जीवन की भूल–भुलैया के चक्रव्यूह से शिक्षित व्यक्ति का ही बाहर निकलना संभव तथा आसान होता है। इनकी शिक्षाओं में अस्त्र–शस्त्र, ज्ञान–विज्ञान, राजनीति तथा संगीत के अलावा आदर्श सेवक, आदर्श राजा, आदर्श प्रजा का ही नहीं, आदर्श शत्रु का भी वर्णन मिलता है। आज भी इनकी शिक्षाएं पूरी दुनिया को मानवता, प्रेम व शांति तथा सहनशीलता का संदेश देती हैं और हिंसा, शत्रुता व युद्ध के होने वाले भयंकर विनाश के दुष्परिणामों से बचने का संकेत करती हैं। जयन्ती पर महर्षि वाल्मीकि को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से मो. हाशिम, पंकज निषाद, संजय कुमार गौतम, विवेक यादव, जगदीश यादव, मुरलीधर पाण्डेय, राजाराम यादव, गौरीशंकर यादव, जयराज यादव, राहुल यादव, प्रमोद यादव, जितेन्द्र यादव, उमर खान, गुलाम गौस, मन्नू सिंह, मनोज यादव, राजेश पटेल, दिनेश तिवारी, रमेश गौतम, अंकित कुमार पाण्डेय, युनूस आलम खान, भोला पाण्डेय, राहुल सिंह, गिरीश चन्द्र, अजय यादव, शकुन्तला चौरसिया, राम प्रकाश चौधरी, प्रशान्त यादव, पवन कुमार चौधरी, कक्कू शुक्ल, अशोक कुमार यादव, अकबर अली, आमिश, इन्द्रेश चौधरी, ज्ञानदास, वीरू विश्वकर्मा, रमेश गौतम, इरशाद अहमद आदि शामिल रहे।

रामनगरी में रोडवेज कर्मचारियों की प्रान्तीय कार्यसमिति की बैठक संपन्न

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी कल्याण संघ प्रदेश अध्यक्ष डीके त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रान्तीय कार्यसमिति की बैठक रामलला पैलेस, निकट दन्तधावनकुण्ड, अयोध्या में सम्पन्न हुई। बैठक में अयोध्या, लखनऊ, कानपुर, आगरा, वाराणसी, सहारनपुर, देवीपाटन आदि क्षेत्रों तथा प्रदेश कार्यसमिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों डीके उपाध्याय प्रदेश महामंत्री, रुपेन्द्र सहाय उप महामंत्री, कौशल मुनि मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष, आरटी भट्ट प्रदेश उपाध्यक्ष, उपेन्द्र कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष, आशाराम , केके तिवारी, अनुज कुमार, कुलदीप कुमार, एसएन अनिल कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में अवैध संचालन पर अंकुश ने लग पाने के कारण, परिवहन निगम की बसों को अपेक्षित यात्री भार न मिल पाने से लोड फैक्टर में आ रही भारी गिरावट तथा इसके लिए परिचालकों के उत्पीड़न पर चिन्ता व्यक्त की गई। इसके अतिरिक्त परिवहन निगम में कर्मचारी अभाव व प्रबन्धकीय अभाव के कारण परिवहन निगम्ह बसों के संचालन में भारी अवरोध के चलते प्रतिदिन करोड़ों रूपये की हानि होने पर व्यक्त की गई।

कर्मचारी समस्याओं के समाधान में परिवहन निगम के अधिकारियों में बढ़ती अरुचि एवं निरंकुश प्रवृति को गंभीरता से लिया गया। परिवहन निगम में पारिवारिक स्थिति को लेकर चर्चा की हुई। साथ ही सभी आवश्यक विन्दुओं पर प्रदेश सरकार एवं निगम प्रशासन को नोटिस दिये जाने का सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया। इसके अलावा बकाया महगाई भत्ता तत्काल दिलाये जाने पर जोर दिया गया। वहीं मनोज गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत कर आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि राज्य कर्मचारियों की तरह रोडवेज कर्मचारियों को भी पेंशन दिया जाए।

जयन्ती पर याद किये गये सर सैयद अहमद खान

संवाददाता–बस्ती। कबीर साहित्य सेवा संस्थान द्वारा गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अध्यक्ष साईमन फारूकी के संयोजन में सर सैय्यद डे उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि सर सैयद अहमद खान 17 अक्टूबर 1817 को दिल्ली के एक प्रतिष्ठित सादात (सैयद) परिवार में पैदा हुए। बचपन से ही वे बहुत प्रतिभाशाली और गंभीर स्वभाव के थे, उम्र के साथ धीरे–धीरे उन्होंने एक महान विद्वान एवं समाज सेवक के रूप में ख्याति प्राप्त की। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत तक सर सैयद अहमद खान सबसे करिश्माई और दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में उभरे और विश्व पटल पर उनकी एक अलग पहचान बन गयी। कहा कि उन्होंने भारतीय समाज विशेष रूप से भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता को महसूस किया. सर सैयद अहमद खान यह बात अच्छी तरह जान चुके थे कि सशक्तीकरण केवल ज्ञान, जागरूकता, उच्च चरित्र, अच्छी संस्कृति और सामाजिक पहचान से ही आ सकती है। ज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।डा. वाहिद अली सिद्दीकी ने सर सैयद अहमद खान के योगदान पर चर्चा करते हुये कहा कि उन्होने पारंपरिक शिक्षा के स्थान पर आधुनिक ज्ञान हासिल करने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि वह जानते थे कि आधुनिक शिक्षा के बिना प्रगति संभव नहीं है. सर सैयद अहमद खान अपने आलोचकों चाहे वे मुसलमान हों या हिंदू के द्वारा उठाये गए सवालों का जवाब नहीं दिया करते, केवल अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखते। सर सैयद अहमद खान ने सदा ही यह बात अपने भाषणों में कही थी कि, 'हिंदू और मुसलमान भारत की दो आंखें हैं, अगर इनमें से एक आंख थोड़ी सी भी खराब हो गयी तो इसकी सुंदरता जाती रहेगी।अध्यक्षता करते हुये साहित्यकार फूलचन्द चौधरी ने कहा कि सर सैयद अहमद खान को एक युग पुरुष के रूप में याद किया जाता है और हिंदू तथा मुसलमान दोनों ही उनका आदर करते हैं। आभार ज्ञापन आयोजक साईमन फारूकी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृष्ण चन्द्र पाण्डेय, ऋतुराज, एस.के. यादव, सिराज अहमद इदरीसी, अशद बस्तवी, दीपक सिंह प्रेमी नीरज वर्मा, दीनानाथ यादव, दीन बन्धु उपाध्याय आदि शामिल रहे।

बाल्मीकि जयंती पर समाज के युवाओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता–अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या के रामकोट स्थित श्री राम आश्रम में आश्रम के पीठाधीश्वर रामलला नगर संघचालक महंत जय रामदास वेदांती के संयोजन में शरद पूर्णिमा के अवसर पर शरद पूर्णिमा और बाल्मीकि जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ के मनाया गया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर ठाकुर जी को खीर का भोग लगाया गया और रात्रि भर चंद्रमा की चांदनी में खीर को रखकर प्रसाद वितरण किया गया इसके साथ बाल्मीकि जयंती पर सह प्रांत प्रचारक संजय जी के मार्गदर्शन में बाल्मीकि समाज से अनिल बाल्मीकि और दिलीप बाल्मीकि उर्फ राजू को सम्मानित किया गया।

रामलला नगर संघचालक महंत जयराम दास महाराज ने बताया कि श्री राम आश्रम में श्री राम लला नगर की सायं कालीन शाखा में शरद पूर्णिमा और बाल्मीकि जयंती बड़े हर्षोल्लास साथ मनाई गई प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम रखा गया जिसमें बाल्मीकि समाज से आने वाले अनिल बाल्मीकि और दिलीप बाल्मीकि उर्फ राजू को अंग वस्त्र और रामलीला देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि महर्षिऋ वाल्मीकि महाराज ने रामायण की रचना कर समाज को प्रथम महाकाव्य दिया था जो आज भी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है

लेकिन आजकल लोग महा ऋषियों पर भी राजनीति कर रहे हैं जो ठीक नहीं है। इस अवसर पर महानगर प्रचारक सुदीप , सह महानगर कार्यवाह सूरज, महानगर सह प्रभारी कुटुंब पवन, नगर कार्यवाह अभय, सह नगर कार्यवाह प्रमोद और नगर के सैकड़ो की संख्या में स्वयंसेवक बंधु शामिल हुए।

गन्ना समिति के तीनों अध्यक्ष पद पर भाजपा का परचम

संवाददाता–बलरामपुर। गन्ना समिति के अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की है। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह की अगुवाई में तीनों तहसीलों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने निर्विरोध चुनाव जीता है। गुरुवार को तुलसीपार्क स्थित अटल भवन कार्यालय पर जीत का जश्न मनाते हुए कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी जाहिर की। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रभारी व प्रदेश महामंत्री संजय राय, अवध क्षेत्र गन्ना समिति चुनाव के क्षेत्रीय संयोजक विजय प्रताप सिंह एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी के नेतृत्व में गन्ना समिति के अध्यक्ष पद पर भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ाया गया था। जिसमें गन्ना समिति तुलसीपुर में अध्यक्ष पद पर नीलम सिंह एवं उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र शुक्ला, उतरौला में अध्यक्ष पद तोताराम वर्मा, उपाध्यक्ष पद पर संजय यादव, बलरामपुर में अध्यक्ष पद पर रजनी सिंह एवं उपाध्यक्ष पद पर रामानंद पाण्डेय को निर्विरोध चुना गया है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि गन्ना समिति अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव में सभी प्रत्याशियों की जीत शानदार रही है। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि भाजपा पर सभी वर्गों का विश्वास है। गन्ना समिति के हुए चुनाव में गन्ना किसानों ने भाजपा पर विश्वास जताया है।

पीएम मोदी व सीएम योगी जनता के हितों के लिए विभिन्न प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाएं चल रहे हैं। जिससे देश विकास की ओर नित प्रतिदिन आगे बढ़ता जा रहा है। सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, पूर्व विधायक गैसड़ी शैलेश कुमार सिंह शैलू, जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने भाजपा को मिली जीत पर खुशी जाहिर करते हुए पदाधिकारियों को बधाई दी है।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी, आद्या सिंह, वरुण सिंह मोनू, विष्णु देव गुप्ता, बिंदु विश्वकर्मा, रवि मिश्रा, अवधेश तिवारी तरुण, पूर्व जिला महामंत्री डॉ अजय सिंह पिंकू, जिला मीडिया संयोजक अवधेश पाण्डेय, अंशुमान शुक्ला, मनीष तिवारी, नगर अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गुप्ता, नगर महामंत्री नंदलाल तिवारी व केके तिवारी सहित तमाम भाजपाइयों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी जाहिर की।

अयोध्या में दीपोत्सवः दो किमी तक फैलेगी दीपों की आभा, इस बार कर सकेंगे ऑनलाइन दीपदान, घर आएगा प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। दीपोत्सव के लिए अयोध्या को सजाने का काम तेज कर दिया गया है। अयोध्याधाम में दो किलोमीटर तक दीपोत्सव की आभा बिखरती नजर आएगी। रामपथ से लेकर धर्मपथ तक भव्य लाइटिंग की जा रही है। रामायण युग का अहसास कराते गेट भी बनाए जा रहे हैं। राम की पैड़ी पर लक्ष्मण व सीता द्वार का निर्माण अंतिम चरण में है। 25 अक्तूबर तक अयोध्याधाम को सजाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। लंका विजय कर 14 वर्ष के बाद अयोध्या लौटे श्रीराम के स्वागत में अयोध्या जिस आनंद में लीन थी, उनके अभिनंदन में अयोध्या को जिस तरह सजाया–संवारा गया था, कुछ उसी तरह के दृश्य जीवंत करने में शासन–प्रशासन जुट गया है। दीपोत्सव में अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को कदम–कदम पर रामायण युग का अहसास होगा। ध र्मपथ और रामपथ को भी जगमग किया जाएगा। इसके लिए लखनऊ के ताज रेडियो एंड इलेक्ट्रिक कंपनी को लाइटिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। राम कथा पार्क के पास इलेक्ट्रीशियन कैंप लगा कर लाइटों को तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

रामपथ और धर्मपथ के साथ लगभग दो किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में भव्य लाइटिंग की व्यवस्था के लिए तैयारी की जा रही है। डेकोरेटिव वॉल, इलेक्ट्रिक गेट और आर्टिफिशियल इलेक्ट्रिक लाइटों से पिलर को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा रामकथा आधारित करीब 30 प्रवेश तोरण द्वार भी धर्मपथ से लेकर रामकथा पार्क तक बनाए जाएंगे। इन पर रामकथा के दृश्य दिखाए जाएंगे। सरयू के घाटों पर भी भव्य तोरण द्वार बनाए जाएंगे जो घाटों की आभा बढ़ाएंगे। दीपोत्सव में सरयू के पुराने पुल पर आतिशबाजी भी की जाएगी। पर्यटन अधिकारी राजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि दीपोत्सव में विभिन्न प्रकार की झांकियां का भी आयोजन किया जाएगा। सूचना और पर्यटन विभाग की ओर से झांकियों को तैयार करने के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। 30 अक्तूबर को साकेत महाविद्यालय में रामायण कालीन प्रसंग मंचन करने के लिए 18 झांकियां बनाई जा रही हैं, जिसमें 11 झांकियां सूचना विभाग और सात झांकियां पर्यटन विभाग की ओर से तैयार की जाएंगी। यह झांकियां सामाजिक संदेश भी देती नजर आएंगी। दीपोत्सव में छह देशों की रामलीला का भी आयोजन किए जाने की तैयारी है। हालांकि अभी इसकी रूपरेखा तैयारी नहीं हो सकी है। वहीं साकेत महाविद्यालय में बन रही झांकियों पर कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। विभिन्न प्रदेशों के करीब 600 कलाकारों अपने–अपने प्रदेशों की लोक संस्कृतियों की प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा अयोध्या में जगह–जगह सांस्कृतिक मंच भी सजेंगे। दीपोत्सव के लिए राम की पैड़ी को सजाने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। यहां 15 हजार क्षमता की दर्शक दीर्घा बनकर तैयार है। राम की पैड़ी का मुख्य आकर्षण श्रीराम, सीता व लक्ष्मण द्वार होगा, जो लगभग बनकर तैयार है। हर एक दीवाल 250 वर्ग मीटर में बनी है। जिस पर रामकथा को दर्शाया गया है। दर्शक दीर्घा में सीढ़ियों का निर्माण पूरा हो चुका है। दीपोत्सव में इस बार राम की पैड़ी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगी। वहीं सरयू के घाटों पर आरती के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, मंच बनाया जाने लगा है। विकास प्राधि ाकरण की ओर से दीपोत्सव–2024 के अवसर पर एक दीया प्रभु श्री राम के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया जा रहा है। 30 अक्तूबर को दीपोत्सव का आयोजन होना है। देश–विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु इस महोत्सव में शामिल होने आएंगे। बहुत से श्रद्धालु इस महापर्व पर नहीं आ पाते, लेकिन वे ऑनलाइन दीपों का दान कर महापर्व का हिस्सा बन सकते हैं। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी कुमार पांडेय ने बताया कि इस कार्यक्रम में देश–विदेश में बैठे श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यम से अपने स्वेच्छानुसार राशि दान स्वरुप दे सकेंगे। देश–विदेश के श्रद्धालु अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव का हिस्सा बन सकते हैं, जिसके प्रतिफल में उन्हें प्रसाद भी भेजा जाएगा। प्रसाद को उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से निर्मित किया जाएगा। दिव्य अयोध्या डॉट कॉम लिंक पर जाकर इच्छुक श्रद्धालु दान कर सकते हैं।

स्कूली छात्र बने कैरियर, देशभर में बेच रहे अश्लील वीडियो, तमिलनाडू पुलिस ने पकड़ा

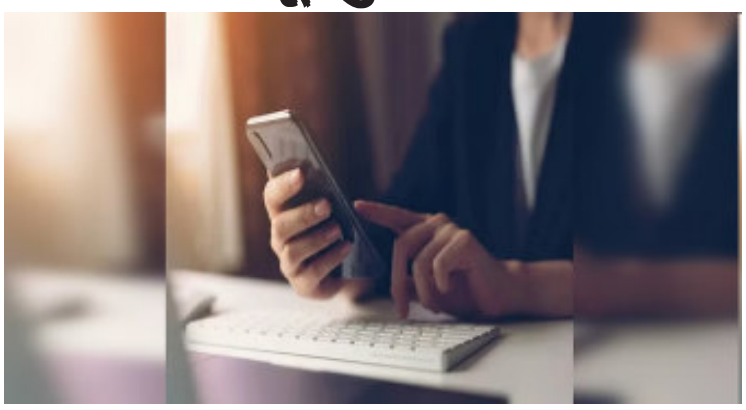

संवाददाता–गोरखपुर। जिले के स्कूलों के कुछ छात्रों के नाम देश भर में बच्चों के अश्लील वीडियो बेचने में सामने आया है। सबसे पहले तमिलनाडू पुलिस का ऐसे वीडियो मिले। जो गोरखपुर के छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट से भेजे गए थे। जांच में यह सच सामने आने पर तमिलनाडू पुलिस ने प्रदेश के मुख्यालय में यह सूचना दी। जिसके बाद साइबर थाने के प्रभारी की तत्परता से कुनराघाट के एक स्कूल में 11 वीं में पढ़ने वाले चौरीचौरा का छात्र पकड़ा गया। छात्र पर केस दर्ज कर उसे बाल संरक्षण गृह भेजा गया। जिले की साइबर थाने की पुलिस ने छात्र से पूछताछ की तो कई हैरान कर देने वाली बातें सामने आई हैं। राज तिवारी नाम का सरगना जिले के कई स्कूलों के छात्रों को कैरियर के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। पूछताछ के बाद गोरखनाथ इलाके के एक छात्र का भी नाम सामने आया है। उसने भी 100 से अधिक बच्चों के अश्लील वीडियो देश भर में बेचे हैं। पुलिस का कहना है कि एक बड़ा गिरोह ये काम कर रहा है। स्कूल में पढ़ने वाले भोले भाले नाबालिग छात्रों को सोशल मीडिया पर थोड़े रुपये का लालच देकर गलत काम करवा रहा है। जबकि छात्रों का अकाउंट इस्तेमाल कर सरगना खुद मोटी रकम कमा रहा है। 11 वीं के छात्र ने पुलिस को बताया कि टेलीग्राम पर उसकी दोस्ती राज नाम के युवक से हुई। वह उसे पोर्न वीडियो का लिंक देता था। जिसे टेलीग्राम पर डार्क वेब सेलर की मदद से वह बेचता था। वीडियो तीन से 15 हजार रुपये तक में बेचा जाता था। जिसमे से छात्र को 30 प्रतिशत लाभ मिलता था। छह माह से वह राज के साथ जुड़कर काम कर रहा था। उसने पुलिस को कई और लोगों के नाम बताए हैं। चौरी चौरा क्षेत्र में रहने वाले 11वीं के छात्र के पिता ने बताया कि मोबाइल पढ़ने के लिए दिलाया था। बेटा उसका गलत इस्तेमाल करने लगा। मेरा परिवार बहुत ही साधारण है। खेती किसानी के जरिए परिवार का जीवन यापन होता है। इसके बाद भी बेटे को इंग्लिश मीडियम स्कूल में दाखिला दिलाया। बेटे की इस हरकत से पूरा परिवार मायुष है।

सुधीर कुमार जायसवाल, एसपी क्राइम ने कहा कि छात्र का मोबाइल कब्जे में ले लिया गया है। उससे भी कुछ जानकारी मिली है। इस आधार पर सरगना की तलाश चल रही है। बहुत जल्द उसे पकड़ लिया जाएगा।

कार्यशाला में भाजपा की सक्रिय सदस्यता बढाने पर जोर

संवाददाता–बस्ती। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा रुधौली विध ाानसभा क्षेत्र के सल्टौआ, सोनहा, रामनगर, रुधौली, पकरीजई और हनुमानगंज मंडल में सक्रिय सदस्यता अभियान की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुआ। जिसमें भाग लेने के लिए सभी मंडलों की स्थानीय इकाई पदाधि ाकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता सक्रिय सदस्यता जिला प्रमुख पवन कसौधन ने कहा कि जिले में पार्टी संगठन की योजनानुसार कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम करते हुए सदस्यता अभियान में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक सदस्यता के अभियान में जिस तरह से पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। उसी तरह सक्रिय सदस्यता के अभियान में भी सबको सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

ब्लॉक प्रमुख रामनगर पूर्व जिलाध्यक्ष यशकांत सिंह ने कहा कि सक्रिय सदस्यता अभियान पार्टी संगठन के नए गठन हेतु बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। हर बूथ पर कम से कम दो सक्रिय सदस्य होने आवश्यक है। सक्रिय सदस्यता का अभियान 16 अक्टूबर से प्रारम्भ हुआ है। जो कि 31 अक्टूबर तक चलेगा। कहा कि भाजपा फिर एक बार दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनने जा रही है। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर कार्य समिति सदस्य राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष रामनेवास गिरी, श्यामनाथ चौधरी, सुजीत सोनी, ओमप्रकाश शुक्ल, प्रशांत सिंह, विजय तिवारी, मनोज ठाकुर, रामउग्रह जायसवाल, सुनील पांडेय, चंद्रभान गुप्ता, मगन शुक्ल, सुरेश भट्ट, कृपाशंकर श्रीवास्तव, इंद्रसेन उपाध्याय, हरिश्चंद्र मिश्र, विश्वनाथ पासवान, गिरजेश मिश्र, अनिल सिंह, शिवम श्रीवास्तव, गिरजेश यादव उपस्थित रहे।

बिहार में जहरीली शराब से 30 की मौत

पटना (आभा)। बिहार के सीवान और छपरा में जहरीली शराब पीने से मौत का मामला सामने आया है. एसपी ने 20 लोगों की मौत की पुष्टि की है. सिविल सर्जन के द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि जहरीली शराब पीने से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है. मरने वाले लोगों में छपरा के 8 लोग शामिल हैं. शराब पीने से तबीयत खराब होने के बाद लोगों को हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। पत्रकारों से बात करते हुए सीवान के जिलाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता ने कहा, बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे जानकारी मिली कि मगहर और औरिया पंचायतों में रहस्यमय परिस्थितियों में तीन लोगों की मौत हो गई है. अधिकारियों की एक टीम तुरंत इलाके में भेजी गई और 12 और लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया, लेकिन उनमें से एक व्यक्ति की रास्ते में ही मौत हो गई।बता दें कि जहरीली शराब से होने वाली मौतों की तादाद बढ़ती जा रही है।

सरसों बीज मिनी किट का वितरण

संवाददाता–बनकटी (बस्ती)। विकास खण्ड बनकटी के प्रांगण में स्थित बीज गोदाम से रवी फसल के बुआई सत्र में सरसों बीज मिनी किट का वितरण किया गया है।सरसों मिनी किट वितरण रघुनाथ सिंह प्रमुख प्रतिनिधि एवं खंड विकास अधिकारी भवानी प्रसाद शुक्ल की अध्यक्षता में किसानों को वितरित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अरुण कुमार मौर्य बीज प्रभारी, सुरेश चौधरी एडी ओ ए जी,दिलीप विश्वकर्मा, अखिलेश यादव,राजेश कुमार मौर्य अजय कुमार,सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

Five more arrested for Bahraich communal clashes, 70 held so far

Reddit

BahraichIn total, 14 FIRs have been registered in

connection with the violence. (File)

Five more people were arrested on Sunday in connection with last week's communal clashes in Maharajganj village of Uttar Pradesh's Bahraich district, police said.

With this, the total number of people arrested in the case has reached 70.

Bahraich Superintendent of Police (SP) Vrinda Shukla, who confirmed the arrest of five persons for their alleged involvement in the violence, said raids were being conducted to apprehend the remaining suspects.

The violence erupted on October 13 when some people demanded that the music be stopped as a Durga idol immersion procession passed near their houses and a mosque in the Maharajganj area of Mahasi tehsil. In the ensuing clash, one Ram Gopal Mishra, 20, was killed, and several others were injured. The situation escalated the next day, with protesters demanding strict action against those responsible for Mishra's killing. The unrest spread to neighboring areas, prompting the police to use force to restore order.

STORIES YOU MAY LIKE

Seven employees of infra company gunned down in Kashmir terror attack

Seven employees of infra company gunned down in Kashmir terror attack

As diplomats leave India, Canada amid row, Canadian envoy says: 'Nijjar and Pannun part of one plot… let's keep channels open'

As diplomats leave India, Canada amid row, Canadian envoy says: 'Nijjar and Pannun part of one plot… let's keep channels open'

India, US confirm 'CC1', key figure in plot to kill Khalistani leader Pannun, 'no longer' Indian govt employee

India, US confirm 'CC1', key figure in plot to kill Khalistani leader Pannun, 'no longer' Indian govt employee

In total, 14 FIRs have been registered in connection with the violence.

The district police have set up a special control room to monitor and investigate the case and are requesting the public, including mediapersons, to provide videos or photographs related to the incident. These visuals are being used to identify the accused.

SP Vrinda Shukla said action against the accused was being taken solely based on evidence.

On Sunday, 23 residents of Maharajganj, who received demolition notices from the Public Works Department (PWD), were busy moving their belongings to safer locations. In the notices, they have been directed to provide within three days the documentation of having permission for the constructions, or remove them, failing which they will be demolished. The cost of the demolition of the structures, if done by the authorities, will be recovered from the property owners, the order added.

The residents started moving their belongings in mini-trucks and three-wheelers on Saturday and were seen dismantling tin shades outside their shops and houses.

Some locals also reportedly demolished parts of their homes and shops that were illegally constructed.

Among those served with the notices is Abdul Hameed, a 62-year-old jeweller who, along with his three sons and a neighbour, was arrested on Thursday in connection with the death of Ram Gopal Mishra.

Tensions in Deoria after two 'stabbed' during Durga idol immersion

The incident allegedly occurred over a dispute related to the procession. The tensions come days after communal clashes in Bahraich.

girl abduction case arrest, Uttar Pradesh, police detention, boy death, extrajudicial killing, family allegation, Indian express newsPolice said the victims were allegedly attacked by assailants from a different community following a dispute. (File Photo/ Representational)

Days after communal clashes in Bahraich, tensions erupted in Deoria's Majauliraj area on Wednesday night when two youths were allegedly stabbed and injured during a Durga idol immersion procession, leading to protests and heavy police deployment.

UP's first conviction under BNS, man sentenced to 20 years for raping minor

The accused, Bharat Bhushan, was sent to 20 years in prison and a fine of Rs 50,000, out of which 40,000 will be given to the girl's family.

In the first conviction in Uttar Pradesh under the provisions of the newly introduced Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), a POCSO court in Aligarh has sentenced a man to 20 years in jail for allegedly raping a intellectually disabled minor girl.

The verdict was pronounced 30 days after the chargesheet in the case was filed by the police, it is learnt.

Surendra Mohan Rai, special judge of the Protection of Children from Sexual Offences court, on Saturday also imposed a fine of Rs 50,000 on the accused, Bharat Bhushan, out of which 40,000 will be given to the girl's family.

According to the FIR, Bhushan, 40, allegedly lured the minor on July 19 by promising her a candy and Rs 10 before taking her to his house and raping her.

STORIES YOU MAY LIKE

Five more arrested for Bahraich communal clashes, 70 held so far

Five more arrested for Bahraich communal clashes, 70 held so far

Will bring 1 lakh youth who have no political link into politics: PM Modi

Will bring 1 lakh youth who have no political link into politics: PM Modi

Khalistan extremists Canada deep assets, Justin Trudeau destroyed ties: Indian envoy

Khalistan extremists Canada deep assets, Justin Trudeau destroyed ties: Indian envoy

A neighbour grew suspicious when Bhushan took the girl to the terrace of his house. The neighbour then shot a video, which was later submitted in the court and became key digital evidence in the case.

The police registered an FIR the same day after receiving a complaint from the girl's father and arrested Bhushan the next day. The chargesheet was submitted in the court on September 19 and the trial began on September 21.

Additional District Government Counsel Mahesh Chand said that statements of seven witnesses as well as the digital evidence were recorded during the trial. "The digital evidence was crucial in disposing of the case in a record time," he added.

The court held Bhushan guilty of rape and also under relevant sections of the POCSO Act. As the BNS and the POCSO Act have provisions for similar sentences, he was found guilty under the POCSO sections, as per the guidelines of the Supreme Court.

"This is the first conviction in the state the BNS, with the efforts of the investigators and the prosecutors," said Additional Superintendent of Police Sanjeev Suman.

"The case was taken up under the Mission Shakti campaign of the Yogi Adityanath government," said Santosh Upadhyaya, joint director of prosecution.

The jdgment in the case lodged under the BNS sections is the first in the state and only second in the country.

Though a September 4 verdict by a district court in Bihar's Chhapra in which two youths, aged 18 and 19, were given life sentences in a triple murder case, is being touted as the first conviction in the country under the BNS, it remains to be verified.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :

शक्ति शंकर

मो नं.

7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।